भोपाल से प्रकाशित और छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश व राजस्थान से प्रसारित

RNI No. MPHIN/2016/67534

RNI No.MPHIN/2016/67534
दैनिक रुद्रांश दर्पण
समाचार-पत्र
को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिले एवं तहसील में ब्यूरों एवं एजेंसी नियुक्त करना है। पत्रकारिता के अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें
प्रधान संपादक अंतरिक्ष पवार
सम्पर्क 8770227143 8109227153

दैनिक

रुद्रांश दर्पण

संपादक : अंतरिक्ष पवार

सुविचार

जिंदगी साइकिल चलाने
के जैसा है,
बैलेंस बनाए रखने के लिए
आपको चलते रहना होता है !

वर्ष-7, अंक-149 | शुक्रवार ,01, दिसंबर, 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य-2 रु.

COP 28 में शामिल होने दुबई पहुंचे PM मोदी:

आज वर्ल्ड क्लाइमेट एक्शन समिट को संबोधित करेंगे; क्लाइमेट फाइनेंस पर होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार (30 नवंबर) रात दुबई, संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे. दुबई में भारतीय प्रवासियों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया. इस दौरान लोगों ने मोदी-मोदी और अबकी बार मोदी सरकार के नारे भी लगाए.

समाचार एजेंसी एएनआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर किया है. जिसमें प्रवासी लोगों को 'मोदी, मोदी', 'अबकी बार मोदी सरकार' और 'वंदे मातरम' जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है. इसके अलावा एक अन्य वीडियो में पीएम मोदी को इन लोगों से हाथ मिलाते और बातचीत करते देखा जा सकता है.

'दुनिया को पीएम मोदी जैसे नेता की जरूरत'

प्रवासी भारतीयों में से एक ने पीएम मोदी से मुलाकात पर खुशी जताई और कहा, "मैं 20 साल से यूएई में रह रहा हूं, लेकिन आज ऐसा लगा जैसे मेरा कोई अपना इस देश में आया हो...जो पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन करता है, वह भारत का हीरा है." एक अन्य सदस्य ने कहा, "हम पीएम मोदी को यहां देखकर बहुत खुश हैं. दुनिया को पीएम मोदी जैसे नेता की जरूरत है."

पीएम मोदी ने भी जताया आभार

इस बीच, पीएम मोदी ने भी दुबई में भारतीय समुदाय से मुलाकात के बाद खुशी जताई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा, ह्लदुबई में भारतीय समुदाय के गर्मजोशी से स्वागत से मैं बहुत प्रभावित हूं. उनका समर्थन और उत्साह हमारी जीवंत संस्कृति और मजबूत संबंधों का प्रमाण है."

पीएम मोदी शुक्रवार को उडढ28 के हाई लेवल सेगमेंट - विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे और उसे संबोधित भी करेंगे. इसके अलावा वो तीन अन्य हाई लेवल साइड इवेंट में भी हिस्सा लेंगे.

बैठक का एजेंडा- कार्बन एमिशन कम करना

उडढ28 क्लाइमेट समिट 12 दिसंबर तक चलेगी। इसमें ढट मोदी के अलावा किंग चार्ल्स, ऋषि सुनक, कमल हैरिस समेत दुनियाभर के 167 नेता क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) और इसके समाधान के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पिछले कुछ सालों में क्लाइमेट चेंज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इस बैठक का फोकस फॉसिल फ्यूल और कार्बन एमिशन (उत्सर्जन) पर लगाम लगाना है।

तीसरी बार क्लाइमेट समिट का हिस्सा बने PM मोदी

ढट मोदी तीसरी बार जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले ढट मोदी ने 2021 में ग्लासगो में हुए उडढ26 सम्मेलन में हिस्सा लिया था। तब उन्होंने क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए पंचामृत नीति और मिशन लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट (छ्रऋए) की घोषणा की थी। ढट मोदी 2015 में पेरिस में हुई उड-ढ21 में भी शामिल हुए थे। इस दौरान 190 से ज्यादा देशों ने पेरिस समझौते पर सहमति जताई थी। इस समझौते के तहत बढ़ते ग्लोबल टेम्प्रेचर को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की बात हुई थी। इसका मकसद ग्लोबल वॉर्मिंग कम करना था। अब उडढ28 में तय किया जाएगा कि किस देश को कितना मुआवजा औ? किस आधार पर मिलेगा। कौन-कौन से देश मुआवजा देंगे, इसका फैसला भी होगा।

3 दिसंबर को प्रात: 8 बजे से शुरू होगी मतगणना

रुद्रांश दर्पण-चित्तौड़गढ़

सुरक्षा व्यवस्था की रहेगी पुख्ता व्यवस्था, मतगणना स्थल में पास धारी ही कर सकेंगे प्रवेश

विधानसभा आम चुनाव के तहत 3 दिसंबर को शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रातः 8 बजे मतगणना प्रारंभ होगी। यहां जिले की पांचो विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने आज मतगणना की आवश्यकता तैयारी, मतगणना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रवेश को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल में प्रवेश एवं सुरक्षा आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक ने मतगणना तिथि 3 दिसंबर को यातायात व्यवस्था एवं मतगणना स्थल के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्र की जानकारी दी।

बैठक में मतगणना स्थल पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना स्टाफ एवं मतगणना अभिकताओं के प्रवेश के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार, मतगणना कार्मिकों को यात्रा भत्ता के ऑनलाइन भुगतान तथा मीडिया कार्मिकों के लिए स्थापित मीडिया सेंटर पर चुनाव के ताजा परिणाम के प्रदर्शन एवं जानकारी उपलब्ध कराने आदि पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक गोयल, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी धायगुडे स्नेहल नाना, नगर परिषद आयुक्त रविन्द्र सिंह यादव, नगर विकास प्रन्यास सचिव हिम्मत सिंह बारहठ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

रुद्रांश दर्पण-सवाई माधोपुर

स्ट्रॉन्ग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था को देखा, मतगणना कक्षों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ओला एवं जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला ने गुरूवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय साहूनगर सवाई माधोपुर में मतगणना स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रॉन्ग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था और मतगणना कक्षों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना स्थल पर स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष, आईटी टीम कक्ष, विधानसभावार स्ट्रॉन्ग रूम, विधानसभावार मतगणना कक्षों और सम्पूर्ण परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए।

इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना व्यवस्थाओं को लेकर नियुक्त प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया की सभी प्रभारी अधिकारी मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मतगणना के लिए सभी आवश्यक सामग्रियों एवं साधनों की उपलब्धता निर्धारित समय से पूर्व कर ली जाए। उन्होंने प्रभारी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर मतगणना संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना कक्षों में काउंटिंग टेबल व्यवस्था, काउंटिंग टीम व काउंटिंग एजेंट्स की एंट्री व्यवस्था, पोस्टल बैलेट की काउंटिंग व्यवस्था, परामर्श व सुविधा केन्द्र, लाईट, पेयजल, माईक, संचार, चिकित्सा, विधानसभावार कम्प्यूटराइजेशन के लिए कम्प्यूटर व्यवस्था, वाहन पार्किंग व्यवस्था, मीडिया कक्ष स्थापित करने संबंधी आवश्यक निर्देश संबंधित प्रभारी अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीतेन्द्र सिंह नरूका, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरलीधर प्रतिहार, रिटर्निंग अधिकारी सवाई माधोपुर अनिल चौधरी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी खण्डार उपेन्द्र शर्मा, अधीक्षण अभियनता सार्वजनिक निर्माण विभाग रूपनारायण बैरवा, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक पंकज मीना, तहसीलदार निर्वाचन चन्द्रशेखर सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

3 दिसंबर को प्रात: 8 बजे से राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में होगी मतगणना, जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त व्यवस्थाओं के संबंध में जारी किए निर्देश

रुद्रांश दर्पण-बीकानेर

विधानसभा आम चुनाव 2023 के लिए मतगणना 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार समस्त व्यवस्थाएं की गई है।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के भूतल पर बीकानेर पश्चिम ,बीकानेर पूर्व विधानसभा के लिए तथा कोलायत, लूणकरणसर , डूंगरगढ़, खाजूवाला तथा नोखा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना महाविद्यालय के प्रथम तल पर संपादित करवाई जाएगी। मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र हेतु दो-दो मतगणना हॉल बनाए गए हैं जिनमें रिटर्निंग अधिकारी तथा सहायक रिटर्निग अधिकारी की उपस्थिति में मतगणना करवाई जाएगी। ईटीपीबीएस तथा पोस्टल बैलट की गणना रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में की जाएगी। इसके लिए तीन टेबल लगाई गई है। जबकि ईवीएम मतगणना के लिए 11 -11 टेबल लगाई गई है।

भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि डाक मत पत्र प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी द्वारा 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे तक समस्त डाक मत पत्रों को विधानसभा वार अलग-अलग कर रिटर्निंग अधिकारियों को भिजवा दिये जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

स्थापित किया जाएगा मीडिया सेंटर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल पर एक मीडिया सेंटर भी स्थापित किया गया है जिसमें मीडिया प्रतिनिधियों को डाटा कम्युनिकेशन नेटवर्क इत्यादि की सुविधा दी जाएगी । यह कक्ष भूतल पर रहेगा। मतगणना हॉल में किसी भी प्रकार का स्टैटिक कैमरा, स्टिल और वीडियो अनुमत नहीं होगा।

होगी त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि मतगणना स्थल के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किसी भी गणना एजेंट को समुचित पहचान पत्र के बिना प्रथम कोर्डन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाया जाएगा साथ ही मेडिकल टीम भी एंबुलेंस के साथ उपलब्ध रहेगी। फायर ब्रिगेड की भी व्यवस्था की गई है।

यह रहेगी मतगणना व्यवस्था

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना दिवस को प्रातः 7 बजे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अभ्यर्थी या उनके नियुक्त प्रतिनिधि के समक्ष पर्यवेक्षक की उपस्थिति में ईवीएम संग्रहण कक्ष खोले जाएंगे, जिनकी समुचित वीडियोग्राफी होगी।

मोबाइल- सेलुलर फोन पर रहेगा प्रतिबंध

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के प्रथम घेरे के अंदर मोबाइल फोन, सेलुलर फोन, कॉर्डलेस फोन, वायरलेस सेट इत्यादि अनुमत नहीं होंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि मतगणना में पारदर्शिता के मापदंडों को अपनाते हुए गणना पर्यवेक्षक व गणना सहायक को वास्तविक गणना हेतु टेबलों का आवंटन रेंडम आधार पर करते हुए गणना के दिन ड्यूटी पर रिपोर्ट करते समय बताया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना हॉल में उपस्थित रहने वाले कार्मिकों उम्मीदवारों या निर्वाचन एजेंट के फोटो परिचय पत्र बनाए जाएंगे । मतगणना हॉल में इन्हें पहनना अनिवार्य होगा।

मतगणना हेतु कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित

रुद्रांश दर्पण-पाली

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर श्री नमित मेहता के सानिध्य में गुरुवार को जिला परिषद सभागार में विधानसभा आम चुनाव 2023 की मतगणना के लिए रिटर्निंग अधिकारी के मतगणना स्टाफ एवम मतगणना से सम्बंधित कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण नोडल प्रभारी श्री उदयभानु चारण ने बताया

इस प्रशिक्षण में पोस्टल बैलेट, ईवीम के माध्यम से होने वाली मतगणना के सम्बंध में प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नमित मेहता ने मतगणना सम्बन्धित तैयारियों का फीडबैक लिया एवम मतगणना हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर जिले की सभी विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारी भी मौजूद रहे।

चन्द्रभागा मेले के दौरान बीमार हुए बच्चों से जिला कलक्टर ने पूछी कुशलक्षेम अधिकारियों को प्रकरण की जांच करने के दिए निर्देश

रुद्रांश दर्पण-झालावाड़

चन्द्रभागा मेले (झालरापाटन) के दौरान बीमार हुए बच्चों के प्रकरण के संबंध में जिला कलक्टर आलोक रंजन एवं पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर गुरूवार को जनाना अस्पताल पहुंचे और बच्चों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी।

इस दौरान जिला कलक्टर ने एक-एक बच्चे के पास जाकर उनसे एवं उनके अभिभावकों से बच्चों के स्वास्थ्य की सम्पूर्ण जानकारी ली एवं उनके द्वारा मेले में खाए गए खाद्य पदार्थों के बारे में पूछा। इस दौरान उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों से कहा कि उनके बच्चों का अस्पताल में अच्छे से इलाज किया जा रहा है एवं उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

जिला कलक्टर ने ली बैठक

उक्त प्रकरण के संबंध में जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग, नगर परिषद झालावाड़, नगर पालिका झालरापाटन एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के

अधिकारियों की एसआरजी चिकित्सालय में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों का इलाज कर रहे सभी चिकित्सकों से कहा कि बीमार हुए सभी बच्चों के इलाज में कोई कोताही न बरतें। अगर किसी भी प्रकार की दवाई अथवा संसाधन की कमी हो तो उस संबंध में जिला प्रशासन को अवगत कराएं ताकि उनकी पूर्ति की जा सके।

जिला कलक्टर ने सभी चिकित्सकों से अस्पताल में भर्ती बच्चों के उपचार एवं वर्तमान में उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। जिस पर उन्हें सभी बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होने की बात से अवगत कराया गया। साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं एसआरजी चिकित्सालय के अधीक्षक को टीम बनाकर उक्त प्रकरण की सम्पूर्ण जांच करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी को मेले में शुद्ध पेयजल सप्लाई करवाने तथा नगर परिषद् झालावाड़ आयुक्त एवं नगर पालिका झालरापाटन के ईओ को सम्पूर्ण मेला मैदान में व्यापक सफाई व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. शिव भगवान शर्मा, एसआरजी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. संजय पोरवाल, नगर परिषद् आयुक्त अशोक शर्मा सहित संबंधित चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना के संबंध में ली बैठक

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

विधानसभा चुनाव 2023 के तहत 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में गुरूवार को मिनी सचिवालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को मतगणना के कार्य को सतर्कता एवं सजगता के साथ पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी मतगणना दिवस से पूर्व मतगणना स्थल पर उनके विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कक्षों एवं स्ट्रॉन्ग रूम से संबंधित की जा रही सम्पूर्ण तैयारियों का निरीक्षण कर लें।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मतगणना दिवस पर मतगणना के कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। उन्होंने कहा कि इस बात का अवश्य ध्यान रखें

कि किसी भी परिस्थिति में मतगणना के दिन मतगणना स्थल के अन्दर कोई अनाधिकृत व्यक्ति नहीं आ सके। सभी अधिकृत कार्मिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किए गए हैं केवल उन्हीं को मतगणना स्थल के अन्दर प्रवेश की अनुमति होगी।

इस दौरान पोस्टल बैलट की मतगणना के संबंध में बिन्दुवार चर्चा करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी रिटर्निंग अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश कुमार मालव, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकार नरेन्द्र सिंह पुरोहित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा, चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित मतगणना कार्य से जुड़े प्रकोष्ठ प्रभारी उपस्थित रहे।

मतगणना पूर्व की तैयारियों पर बैठक आयोजित

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

विधानसभा आम चुनाव 2023 की मतगणना के पूर्व तैयारियों की समीक्षा पर जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत में जिला निर्वाचन अधिकारी ने अब तक सभी प्रकार की तैयारियों एवं शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया का भागीदार बनने पर सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं कार्मिकों को धन्यवाद प्रेषित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी सहसमय उम्मीदवारों के काउंटिंग ऐजेंट्स की नियुक्तियों की जानकारी प्राप्त कर लें। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को आरओ टेबल की व्यवस्था, मतपत्रा गणना की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों से मतगणना हेतु सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति के बारे में जानकारी ली।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी बालकृष्ण तिवारी ने डाक मतपत्र गणना के प्रोटोकॉल के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मान्य एवं अमान्य मतों के बारे में विस्तार पूर्वक बिन्दुवार जानकारी ली तथा विभिन्न लिफाफों में डाक मतपत्रों का संधारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम खोलते समय समुचित वीडियोग्राफी करायें एवं स्ट्रांग रूम खोलने के समय मतगणना शुरू होने से

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि कर सकते हैं निगरानी

पूर्व उम्मीदवारों को उपस्थित होने की जानकारी दें। उन्होंने बताया कि राजनीतिक दल के प्रतिनिधि अपने गणना ऐजेन्ट्स के लिए भोजन पहुंचा सकेंगे लेकिन कोई भी खाद्य सामग्री मतगणना कक्ष के भीतर नहीं ले जाने दी जायेगी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुदर्शन सिंह तौमर ने बताया कि उम्मीदवारों को पहचान पत्र के बिना प्रवेश नहीं दिया जायेगा एवं निजी अंगरक्षकों का प्रवेश भी वर्जित होगा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को मतगणना स्थल पर कम्प्यूटर एवं अन्य आईटी उपकरणों की व्यवस्था हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सील साथ लेकर आयें। प्रशिक्षक अतुल चौहान ने ईवीएम से गणना हेतु कन्ट्रोल यूनिट खोलने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कंट्रोल यूनिट की सील खोलने, सभी प्रकार की जांच करने, परिणाम का डिस्प्ले इत्यादि पर विस्तृत एवं बिंदुवार जानकारी दी। इस अवसर पर सभी चारों विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

गत राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुख्यालय स्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया

रुद्रांश दर्पण-सीकर

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निदेर्शानुसार 9 नवम्बर 2023 को इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), सीकर के आदेशानुसार सीकर मुख्यालय पर गत राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले न्यायिक अधिकारीगण जिनमें पारिवारिक न्यायालय न्यायाधीश, कैलाश चन्द्र अठवासियां, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, न्यायाधीश रेखा राठौड़, विशिष्ट न्यायाधीश एससी, एसटी, रामकिशन शर्मा, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-1 जगदीश प्रसाद मीना, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा चौहान, न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-1 सोनिया एवं विशिष्ट न्यायाधीश एन.आई. एक्ट उषा प्रजापत को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अभिभाषक संघ सीकर के मुख्यालय स्थित अधिवक्तागण के उत्कृष्ट कार्य एवं लोक अदालत में आपेक्षिक सहयोग के लिए अधिवक्ता विजय कुमार शर्मा, अरविन्द थालोड, महेन्द्र बाजिया, गजेन्द्र सिंह राठौड़, पोखरमल भीचर, महेश मिश्रा, जाकिर हुसैन, पुरूषोत्तम बिल्खीवाल, ओमप्रकाश चौधरी,

नसीर अहमद खान, अंगद तिवाड़ी, सुरेश कुमावत, सुभाष कुल्हरी, गोविन्द सिंह जाट, विनोद कुमार सरोज, सिकेन्द्र सिंह शेखावत, संतपाल खींचड़, विजय सिंह तंवर, धर्मेन्द सिंह कुडी, ओमप्रकाश सैनी, बृजेन्द्र सिंह रूलानियां, सुरेश कुमार सैनी, सादिक अली गौरी, मामचंद मूण्ड, नरेन्द्र फगेडिया, नवरत्न सोनी, सुरेश कुमार सैनी-2, मुकेश कस्वा, महेश जाखड़, भरत बाजिया, दिनेश सैनी, सागर मल ढाका, पुरूषोत्तम शर्मा एवं राहुल पारीक को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर धर्मराज मीणा ने बताया की इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 सितम्बर, 2023 को किया गया। जिसमें अभिभाषक संघ, सीकर के अधिवक्तागण का कार्य प्रशंनीय रहा जिसके संबंध में उन्हें प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पक्षकारान के अधिकाधिक प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से करवाने एवं लोक अदालत के सफल आयोजन में अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लिया मतगणना स्थल की तैयारियों का जायजा

रुद्रांश दर्पण-झालावाड़

विधानसभा चुनाव 2023 के तहत आगामी 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) आलोक रंजन एवं पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने गुरूवार को मतगणना स्थल राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल के निरीक्षण के दौरान मतगणना के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में की जा रही तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने महाविद्यालय के प्रवेश द्वार पर मतगणना कार्य में लगे कार्मिकों की व्यापक तरीके से चैकिंग करने एवं उनके मोबाइल को जमा कराने हेतु प्रवेश द्वार पर अलग से काउन्टर बनवाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

इस दौरान उन्होंने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रॉन्ग रूम से मतगणना कक्ष तक के लिए जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग एवं पर्दे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कक्ष का निरीक्षण करते हुए मतगणना कार्मिकों के लिए की गई बैठक व्यवस्था को देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रत्येक कक्ष में सही स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा खिड़कियों के बाहर पुलिस के जवानों की तैनाती के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश कुमार मालव, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र सिंह पुरोहित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा, चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित सभी प्रकोष्ठ प्रभारी उपस्थित रहे।

मतगणना तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक, हर कार्य निष्पक्षता और पारदर्शिता से हो - पुरोहित

रुद्रांश दर्पण-बाड़मेर

विधानसभा चुनाव-2023 के अंतर्गत 03 दिसंबर को होने वाली मतगणना संबंधी पूर्व तैयारियों की समीक्षा के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार बैठक आयोजित हुई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने तैयारियो की विस्तृत समीक्षा की।

इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी पुरोहित ने 03 दिसंबर को होने वाली मतगणना की पूर्व तैयारियों से संबंधित तमाम बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की और इनसे संबधित प्रबन्धों की समीक्षा की। उन्होंने मतगणना को पारदर्शी तरीके से पूर्ण करवाने, निर्वाचन आयोग के निदेर्शों की अक्षरशः पालना करने, मतगणना स्थल पर व्यापक सुरक्षा एवं सभी व्यवस्थाओं को सुचारू एवं बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने आदि के लिए हर स्तर पर गंभीरता से दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना केंद्र में विधानसभावार मतगणना कक्षों की स्थापना, काउन्टिंग स्टॉफ, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों आदि के प्रवेश, बैठने की व्यवस्था तथा मतगणना स्थल पर वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध सुनिश्चित रहेंगे। इस संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार मतगणना केन्द्र पर केवल मतगणना कर्मचारी, उम्मीदवार तथा उनके अनुमति प्राप्त मतगणना प्रतिनिधि एवं निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी पास धारक मीडियाकर्मी ही प्रवेश पा सकेंगे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक दीगत आनंद, मुख्य कार्यकारी अधिकरी शिवपाल जाट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंजुम ताहिर सम्मा सहित सभी रिटर्निंग अधिकारी और विभिन्न प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना को लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न

रुद्रांश दर्पण-बांसवाड़ा

विधानसभा आम चुनाव-2023 के तहत 3 दिसम्बर को होने वाले मतगणना को लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक गुरूवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) श्री प्रकाशचन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाशचन्द्र शर्मा ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को 3 दिसम्बर को श्री गोविन्द गुरू राजकीय महाविद्यालय बांसवाड़ा में जिले की पांचों विधानसभा सीटो के लिए होने वाली मतगणना के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी के सम्बन्ध में चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए मतगणना प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने दलों के प्रतिनिधियों एवं मतगणना ऐजेण्टों की उपस्थिति मतगणना स्थल पर सुनिश्चित करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करावे। उन्होंने कहा कि मतगणना में आने वाले राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मतगणना ऐजेन्टों के लिए

पार्टी का पहचान पत्र एवं मतगणना के लिए बनाए जाने वाले मतगणना पहचान पत्र को उपलब्ध होना सुनिश्चित करे इसके अभाव में मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं हो सकेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि मतगणना स्थल पर किसी भी तरह का मोबाईल ले जाना वर्जित रहेगा अतः अपने पार्टी से सम्बद्ध ऐजेण्टों को इस संदर्भ में आवश्यक रूप से अवगत करा दिया जावे। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए निर्धारित तिथि को प्रातः 6 बजे प्रवेश प्रारम्भ हो जाएगा अतः निर्धारित समय पर मतगणना के लिए पार्टी द्वारा नियुक्त ऐजेण्टों की उपस्थिति सुनिश्चित करे। उन्होंने इस मौके पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभावार मतगणना के लिए टेबल वार की गई व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर डा0 दिनेश राय सापेला ने चुनाव आयोग के द्वारा मतगणना के संबंध में जारी दिशा निर्देशों की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध सुनिश्चित रहेंगे। इस संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार मतगणना केन्द्र पर केवल मतगणना कर्मचारी, उम्मीदवार तथा उनके अनुमति प्राप्त मतगणना प्रतिनिधि एवं निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी पास धारक मीडियाकर्मी ही प्रवेश पा सकेंगे। इस मौके पर चुनाव कार्यालय के भगवतीलाल जैन सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उद्यमी महासम्मेलन में सीएम योगी हुए शामिल: सीएम बोलें – हक्वालिटी से कॉम्प्रोमाइज ना करें स्टार्टअप्स, शासकीय खरीद में मिलेगी प्राथमिकता

रुद्रांश दर्पण-लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित उद्यमी महासम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों से संवाद भी स्थापित किया। वही इस अवसर पर प्रदेश सरकार में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई) अमित मोहन प्रसाद, आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गोयल, महासचिव आलोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल, उद्यमी महासम्मेलन के समन्वयक राजीव बंसल सहित प्रदेश भर से बड़ी संख्या में आए एमएसएमई उद्यमी मौजूद रहे। वही सीएम योगी ने कहा की प्रदेश के एमएसएमई उद्यमी अपने उत्पादों की क्वालिटी से कॉम्प्रोमाइज हर्गिज ना करें, प्रदेश सरकार शासकीय खरीद में उन्हें हर हाल में प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश का एमएसएमई सेक्टर आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। हमने टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ करके इंस्पेक्टर राज से मुक्ति दिलाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। आज ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हुए रिफॉम के परिणाम सबके सामने हैं। पूरी दुनिया विश्वास के भाव से उत्तर प्रदेश की ओर देख रही है। हमें अभी से 2024 के इंटरनेशनल ट्रेड शो के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

पहले हतोत्साहित था यूपी का उद्यमी

गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स ऑडिटोरयम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रांसफॉर्मिंग एमएसएमई टुवॉड्र्स इंडस्ट्री 4.0 एंड स्किल 48 से संबंधित प्रदर्शनी का भी मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया, जिसमें प्रदेशभर से एमएसएमई स्टार्टअप्स उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों और उद्यमियों का प्रदेश की राजधानी में स्वागत करते हुए कहा कि पहले यूपी में उद्यम के लिए माहौल और सरकार के स्तर पर प्रोत्साहन व संरक्षण ना होने पर उद्यमी हतोत्साहित था। 2017 में प्रदेश में हमारी सरकार आने के बाद अपने परंपरागत उत्पादों को वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के रूप में प्रमोट करने के कार्यक्रम का परिणाम हम सबके सामने है। ये देश ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए एक अभिनव योजना है।

प्रोडक्ट की क्वालिटी और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना होगा

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से आह्वान किया कि कंपटीशन के दौर में प्रोडक्ट की क्वालिटी पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही उसकी पैकेजिंग पर और ज्यादा कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ करते हुए इंस्पेक्टर राज से मुक्ति के कार्यक्रम चलाए गये हैं। सीएम योगी ने निवेश मित्र पोर्टल, निवेश सारथी पोर्टल और ऑनलाइन इन्सेंटिव प्लेटफॉर्म की चर्चा करते हुए कहा कि इससे उद्यमियों को प्रदेश के अंदर निवेश की संभावनाओं को विकसित करन के साथ साथ उनकी सुविधाओं के सरलीकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी की रैंकिंग आज से 6 साल पहले 14वें स्थान पर थी। इसमें व्यापक रिफॉर्म किये गये। जिसका परिणाम सबके सामने है।

नये यूपी के पोटेंशियल को देखकर दुनिया आश्चर्यचकित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अंदर लैंड बैंक बनाने का कार्य हो या बेहतर कानून व्यवस्था स्थापित करना हो, हर दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सितंबर में ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन भी शानदार रहा। इसमें 70 हजार बायर्स आए थे और टोटल फुटप्रिंट चार लाख थी। 400 से ज्यादा विदेशी बायर्स भी वहां पहुंचे। सभी को नये भारत के नये यूपी के पोटेंशियल को देखकर आश्चर्य हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया विश्वसनीयता के भाव से भारत और यूपी की ओर देख रही है। जहां नोएडा और ग्रेटर नोएडा को विकसित करने में 46 साल लगे, वहीं वर्तमान में हम झांसी, बुंदेलखंड में एक नए औद्योगिक संस्थान की दिशा में तेजी से कार्य कर रहे हैं। झांसी में हमारे पास पहले ही चरण में 38 हजार एकड़ लैंडबैंक मौजूद है। 46 साल में पहली बार हमारी सरकार में ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर तैयार है, वहीं झांसी में हम पहले ही चरण में एयरपोर्ट देने जा रहे हैं।

सौर ऊर्जा को प्राथमिकता दें उद्यमी

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहा कि वह स्थानीय स्तर पर मौजूद शिक्षण संस्थाओं से मैन पॉवर प्राप्त करें। इसके लिए पीएम और सीएम इंटर्नशिप स्कीम की मदद लें। सीएम योगी ने प्रदेश के हर हिस्से में ट्रेड शो के आयोजन पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से सोलर पॉवर के उपयोग को लेकर भी आह्वान किया, जिससे बिना प्रदूषण के बिजली प्राप्त होगी।

HBTU में अब बीफार्मा, बायोटेक का कोर्स भी होगा:कानपुर में नए सत्र से शुरू होंगे कोर्स; JEE मेन, CUET से मिलेगा प्रवेश

रुद्रांश दर्पण-कानपुर

हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी कानपुर में अब बीटेक के अलावा भी दो नए कोर्स की शुरूआत होने जा रही है। यहां से विद्यार्थी अब बीफार्म और बायोटेक की भी पढ़ाई कर सकेंगे। नए सत्र से बीटेक इन बायोटेक और बीफार्मा का कोर्स शुरू हो जाएगा।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया फैसला

यह फैसला गुरुवार को विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया। बीटेक बायोटेक में जेईई मेन और सीयूईटी और बीफार्मा में सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। बीफार्मा की कक्षाएं संचालित होने के लिए पीसीआई से अनुमति के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है। जल्द ही शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी।

60-60 सीटों पर होगा प्रवेश

एचबीटीयू में कुलपति प्रो. समशेर की अध्यक्षता में एकेडमिक काउंसिल की बैठक की गई थी। बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी और बीफार्मा 2024-25 के सत्र से शुरू होंगे। 60-60 सीटों पर प्रवेश? दिया जाएगा। डीन एकेडमिक्स ललित कुमार ने बताया कि इसके अलावा एनर्जी एंड इंवायरमेंट से इंटरडिस्प्लेनरी बीटेक का कोर्स भी संचालित किया जाएगा। केमिकल विभाग में संचालित होने वाले इस कोर्स को केमिकल, बायो केमिकल, सिविल, मैकेनिकल और ऑयल इंजीनिय?रिंग विभाग ?मिलकर संचालित करेगा। यह कोर्स भी 204-25 सत्र से शुरू होगा, हालांकि अभी इस कोर्स में सीटों की संख्या तय नहीं हो पाई है।

स्टूडेंट एडवाइजरी रिसर्च कमेटी का होगा गठन

नई ?शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालय में पीएचडी ?आर्डिनेंस लागू किया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय प्रबंध कई बड़े बदलाव भी करने जा रहा है। अब छात्रों की सहूलियत के लिए स्टूडेंट एडवाइजरी रिसर्च कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी छात्रों के दा?खिले से लेकर उनके पीचडी कार्यकाल में पूरी मदद करेगी। फाइनल थीसिस जमा करने से पहले छात्रों को रिसर्च डेवलेमेंट कमेटी को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। प्रो. ललित ने बताया कि अब प?ब्लिकेशन को थोड़ा कठिन कर दिया गया है। इसमें दो पेपर एससीआई और स्कोपस में प्रस्तुत करने पर ही पब्लिकेशन की अनुमति मिलेगी।

UP में लगा रोजगार मेला: राजधानी लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद में 51 हजार युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

रुद्रांश दर्पण-लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कर्मियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किये। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित भी किया।वही उतर प्रदेश में लखनऊ,कानपुर और गाजियाबाद में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। कानपुर में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे, लखनऊ में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा और गाजियाबाद में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वी. के. सिंह ने नियुक्ति पत्र किये।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 11 वें रोजगार मेला

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 11 वें रोजगार मेले को संबोधित करते हुये केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि जिस तरह से हमारे देश ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दिया है,भारत पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र बन गया है।उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री ने हर नागरिक से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की अपेक्षा की है।

पीएम मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने जिन स्तंभों की चर्चा की है,युवा उन प्रमुख स्तंभों में सर्वप्रमुख है। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरियां दिलाने के साथ साथ सरकार ने देश की आंतरिक सुरक्षा और व्यवहारिक विदेश नीतियों के माध्यम से इस तरह का वातावरण बनाया है कि कई विदेशी निवेशक बड़ी संख्या में भारत में निवेश कर रहे है जिससे बड़ी संख्या में युवाओं के लिए प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है।वही पीएम मोदी ने कहा की मुद्रा लोन योजना के माध्यम से लगभग 40 करोड़ युवाओं को जिसमें से 60% से अधिक महिलाएं है जिनको स्वरोजगार से जोड़ा है। साथ ही जो लोग कम पढ़े लिखे है लेकिन उनके अंदर पारंपरिक हुनर है. उन्हें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी का बयान

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा की पूरे देश में 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को रोजगार के काम उपलब्ध कराकर स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज महिला किसान ड्रोन केंद्र का उद्घाटन किया है जिससे महिला किसानों को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से खेती किसानी के लिए लगभग 15000 करोड़ का लोन तीन वर्षों में दिया जाएगा जिससे बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा।यह रोजगार मेला देश भर के 37 स्थानों पर आयोजित किया गया था। इस पहल का समर्थन करने वाले केन्द्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों/केन्द्र- शासित प्रदेशों में भर्तियां की जा रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी सरकार के राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवाएं विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में योगदान करेंगे।यह रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। इस रोजगार मेले से आगे और रोजगार सृजित करने की दिशा में एक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करने और युवाओं को अपना सशक्तिकरण करने एवं राष्ट्रीय विकास में भागीदारी हेतु सार्थक अवसर प्रदान किए जाने की उम्मीद है।नवनियुक्त कर्मी अपने रचनात्मक विचारों और भूमिका-संबंधी दक्षताओं के माध्यम से अन्य बातों के साथ-साथ देश के औद्योगिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास को मजबूत करने के कार्य में योगदान देंगे, जिससे प्रधानमंत्री के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मदद मिलेगी।

नवनियुक्त कर्मियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा। आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर ह्यकहीं भी किसी भी उपकरण परह्व सीखने के प्रारूप में 800 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं।

ज्ञानवापी श्रृंगार-गौरी की नियमित पूजा पर रउ में सुनवाई आज:हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने दायर की याचिका, विरोध का पक्ष भी रखेंगे

रुद्रांश दर्पण-वाराणसी

वाराणसी के ज्ञानवापी मामले में श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा मांग समेत अन्य याचिकाओं पर सुनवाई होगी। वहीं हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मसाजिद इंतजामियां कमेटी की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। कोर्ट सबसे पहले मसाजिद कमेटी के पक्ष को सुनेगा, उनका लिखित बयान भी तलब करेगा। हाईकोर्ट के जजमेंट में आपत्ति बिंदुओं पर विस्तार से मुस्लिम पक्ष की दलील भी जानेगा।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में कुल तीन याचिका दाखिल हुई है। एक याचिका श्रृंगार गौरी मामले में मेंटेनेबिलिटी का मामला है। दूसरा कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति के मामले को मुस्लिम पक्ष ने चुनौती दी है। जबकि तीसरा मामला वजू टैंक की ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे की मांग है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को एक-एक करके सुना जाएगा। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगली सुनवाई में पहले मस्जिद पक्ष की यह दलील सुनी जाएगी कि निचली अदालत मों लंबित केस विचार लायक है या नहीं। कोर्ट ने सभी पक्षों को अपनी दलीलों का संक्षिप्त नोट जमा करने को कहा है। सोमवार को ज्ञानवापी विवाद मामले में समय की कमी की वजह से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई थी जिसे आज आगे बढ़ाया जाएगा।

हाईकोर्ट से लगा था मुस्लिम पक्ष को झटका- दरअसल, पिछले साल 12 सिंतबर को वाराणसी की जिला अदालत ने अपने फैसले में माना था कि ज्ञानवापी का मामला सुनवाई योग्य है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने जिला अदालत के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि हाईकोर्ट ने भी हिंदू पक्ष के हक में अपना फैसला सुनाते हुए मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट से झटका लगने के बाद अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। अब उच्चतम न्यायालय में इस मामले की सुनवाई सीजेआई जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच कर रही है। जिसके लिए एक दिसंबर यानि आज की तारीख तय की गई थी।

कमिश्नर नियुक्त करने के फैसले को चुनौती

वहीं अदालत में दूसरा मामला कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति के मामले से जुड़ा हुआ है। मुस्लिम पक्ष ने परिसर के अरक सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने के फैसले को चुनौती दी हुई है। जिसमें मुस्लिम पक्ष की मांग है कि कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने, अरक सर्वे करने और कार्बन डेटिंग के खिलाफ अदालत सुनवाई करे। जबकि हिंदू पक्ष ने कहा था कि सर्वे हो जाने से ये मांग निष्प्रभावी है। जबकि इस विवाद में तीसरा मामला वजू टैंक की ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे की मांग वाली याचिका से जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि बीते सितंबर महीने में सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने सीजेआई डी वाई चंद्रचुड़ के सामने ज्ञानवापी मामले में लंबित पड़ी हुई सभी याचिकाओं पर सुनवाई की अपील की थी। उनकी इस अपील कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था,

ये चट्टानी हौसलों की जीत है..

हजार बिजलियां गिरें, लाख आंधियां उठें।
वो फूल खिल के रहेंगे जो खिलने वाले है।।

यकीनन आज वो फूल खिले ही नहीं है बल्कि खिलखिला रहे है। उत्तराखण्ड की सिल्क्यारा सुरंग से बीते रोज शाम को जब 41 मजदूरों को सकुशल निकाला गया तो यह बात सच होती दिखी कि हौसले चट्टानी हो तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। फिर ये जुमला भी याद आता ही है कि 'मोदी है तो मुमकिन है'। वास्तव में सत्रह दिनों से सुरंग में फंसे मजदूरों की सकुशल और सुरक्षित वापसी केन्द्र की मोदी और उत्तराखंड की धामी सरकार के चट्टानी हौसलों की परिणति है। वरना तो सत्रह दिनों तक चले इस बचाव अभियान में क्या क्या मुश्किलें पेश नहीं आई। दुनिया भर से विशेषज्ञ बुलाए गए। चट्टानों को तोड़ने के लेकर खुदाई करने वाली जो मशीनें बुलाई गई वे एक फेल हो गई। एक बार तो सरकार का हौसला एक डगमगा गया और तो और 41 मजदूर जो सुरंग में फंसे थे, उनके परिजनों का दबाव। इस सबके बीच सरकार ने जिस धैर्य, परिश्रम और हौसले से इस काम को अंजाम दिया उसकी जितनी तारीफ की जाए कम ही है। इस काम में उन रैट माइनर्स के काम को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर रास्ता बनाया। सही मायने में तो यही रैट माइनर्स इस दुष्कर अभियान के हीरो है। और फिर उन श्रमिकों के हौसले को भी दाद देनी पड़ेगी जो सत्रह दिनों तक हाड़ कंपाने वाली ठंड में भूखे प्यासे जिंदा रहे। उनकी जीवटता को भी हमें सलाम करना होगा। असल में यह भारत का अमृतकाल है। यह 15-20 साल पुराना भारत नहीं रहा, जब सरकारें ऐसी मुसीबतों में खुद को असहाय पाती थीं। अब नया भारत है। मोदी सरकार ने मुसीबतों से मिलकर और डटकर लड़ने की जो जिजीविषा समाज में पैदा की है, वह सामने दिखती है। ऐसे कई उदाहरण हैं जब सरकार ने मुश्किल दौर में अपना काम दिखाया। चाहे कतर में फंसे भारतीयों को सकुशल निकालने का मामला हो या फिर युद्धकाल में यूक्रेन- इजराइल से अपनों को वापस लाने की बात हो। मोदी सरकार ने भारतीयों के मन में कभी निराशा पैदा नहीं होने दी। सात समंदर पार बैठे भारतीयों को भी आज यह भरोसा है कि मोदी है तो मुमकिन है। बहुतेरा विपक्ष इस बार भी मोदी के प्रयासों की आलोचना करेगा। कहेगा कि इसमें मोदी का क्या रोल है। ये तो एजेंसियों का काम था, जो उन्होंने किया। लेकिन ईश्वर न करता कहीं इस अभियान में यदि कोई अनहोनी हो जाती तो सारा विपक्ष एजेंसियों पर नहीं गिद्ध की तरह मोदी पर टूट पड़ता। बहरहाल, यह जीत चट्टानी हौसलों की जीत है। इसमें लगी तमाम एजेंसियों और उनके कारिन्दों के प्रयासों की जीत है। वास्तव में यह नए मजबूत इरादों वाले भारत की जीत है।

लोकवाणी

तंजानिया और मॉरीशस की यात्रा के रास्ते आज तड़के इथियोपिया की राजधानी अदीस-अबाबा पहुँचा! यहाँ पर शायद हिन्दी का औपचारिक तौर पर अध्ययन ज्यादा नहीं होता होगा मगर फिर भी लगभग सभी लोग कुछ-कुछ हिन्दी जानते हैं! वजह? हिन्दी फिल्में और भारत में पढ़कर वापस आये बहुत सारे छात्र!

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे

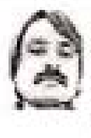

शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा है कि कुरान अल्लाह की लिखी हुई किताब है। उससे बड़ी कोई किताब नहीं हो सकती। बात सही है एक सच्चे मुसलमान को कुरान के अलावा और कुछ पढ़ना भी नहीं चाहिए। जब अल्लाह ने कुरान लिख ही दिया है तो और कुछ पढ़ने जानने के लिए बचा क्या है?

संजय तिवारी मणिभद्र

प्रासंगिक

'पापी' 'जेबकतरा' तो 'पनौती' हो गया!

तेजेन्द्र शर्मा

पूरा क्रिकेट जगत इस गुत्थी को हल नहीं कर पा रहा कि आखिर भारत लगातार दस मैच जीतने के बाद विश्व कप 2023 के फाइनल में बुरी तरह से कैसे हार गया। तमाम विशेषज्ञ, भूतपूर्व क्रिकेट खिलाड़ी और कमेंटेटर बुरी तरह से हैरान थे कि आखिर हुआ क्या। रोहित शर्मा ने बढ़िया शुरूआत की, कोहली और राहुल ने अर्ध-शतक जमाए मगर फिर भी लगा जैसे भारतीय टीम जीतने के लिये नहीं खेल रही।

कारण खोजने की दौड़ में वो लोग भी जुड़ गये जिन्हें क्रिकेट की सही स्पेलिंग भी नहीं आती। भारत के अगले प्रधानमंत्री बनने का सपना आंखों में पाले माननीय राहुल गांधी ने भी अपना 'दिमाग' लगाया और पाया कि उन्हें सही मायने में मालूम है कि भारतीय टीम मैच क्यों हारी। जब उनके दिमाग में महात्मा बुद्ध ने ज्ञान की ज्योति जगाई उस समय वे राजस्थान के शहर जालोर में एक रैली में अपने मुखारविंद से मोती बरसा रहे थे।

उन मोतियों की एक माला बन कर उर्वरिया जन-समूह के सामने उभर कर आ गई। रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'अच्छा भला हमारे लड़के वहां वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन वहां पर पनौती ने हरवा दिया, लेकिन टीवी वाले यह नहीं कहेंगे यह जनता जानती है।' पनौती शब्द को राहुल गांधी ने कई बार दोहराया।

कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से राहुल के पनौती वाले बयान को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसके बैकग्राउंड में राहुल गांधी पनौती बोल रहे हैं और स्क्रीन पर स्टेडियम में बैठे नरेंद्र मोदी को दिखाया गया है। अब राहुल गांधी कोई छोटे नेता तो हैं नहीं। वे कांग्रेस पार्टी के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं जो अपनी पार्टी को चालीस से ऊपर चुनाव हरवा चुके हैं। उनकी बात तो हवा में भी लपकी जाती है तो गूगल बाबा उसे सिलो-गाइट पर लपक लेते हैं। और गूगल पर 'पनौती' शब्द हो गया वायरल। पूरे देश में इस शब्द की चर्चा होने लगी। गूगल बाबा को शब्द खोजते हुए गुदगुदी भी हो रही थी कि आखिर कौन है जो 'पनौती' जिसने भारतीय टीम को जीतता हुआ मैच हरवा दिया।

पता किया जाने लगा कि आखिर यह शब्द आया कहां से। ये शब्द है तो हिंदी भाषा का ही। भाषाविद डॉ सुरेश पंत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई जानकारी के मुताबिक 'पनौती' शब्द हिंदी में 'औती' प्रत्यय से बना है

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं एवं लंदन में रहते हैं)

पनौती की व्युत्पत्ति यानी 'विशेष उत्पत्ति' को समझाने के लिए उसके इतिहास, स्वरूप और अर्थ के बारे में हमने यहां बताया है। 'पनौती' शब्द बनने को स्वरूप को समझते हुए हम कह सकते हैं कि इसका अर्थ विस्तार मुसीबत के रूप में है. पनौती का अर्थ बताता है कि यह डरावनी और विनाश की सूचक है। हम तो मानव श्रेष्ठ आदरणीय राहुल गाँधी जी का धन्यवाद इसलिये भी करना चाहेंगे कि उनके कारण देश को 'पनौती' जैसे महान शब्द के अर्थ और व्युत्पत्ति के बार में कुछ जानकारी मिल पाई।

जैसे कि कटौती, चुनौती, मनौती, बपौती। 'पनौती' शब्द 'पन' + 'औती' से बना है। 'पन' यानी अवस्था या दशा।

पनौती की व्युत्पत्ति यानी 'विशेष उत्पत्ति' को समझाने के लिए उसके इतिहास, स्वरूप और अर्थ के बारे में हमने यहां बताया है। 'पनौती' शब्द बनने के स्वरूप को समझते हुए हम कह सकते हैं कि इसका अर्थ विस्तार मुसीबत के रूप में है। पनौती का अर्थ बताता है कि यह डरावनी और विनाश की सूचक है। हम तो मानव श्रेष्ठ आदरणीय राहुल गाँधी जी का धन्यवाद इसलिये भी करना चाहेंगे कि उनके 'पनौती' जैसे महान शब्द के अर्थ और व्युत्पत्ति के बारे में कुछ जानकारी मिल पाई।

राहुल गांधी यहीं नहीं रुके उन्होंने समझा दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गौतम अडानी मिल कर भारतीय नागरिकों की जेब काट रहे हैं। राहुल ने जेब काटने की पूरी प्रक्रिया ऐसे समझाई जैसे उन्होंने जेब काटने पर डॉक्टरेट की उपाधि ले रखी हो। उनके अनुसार नरेन्द्र मोदी जनता का ध्यान भटकाते हैं और गौतम अडानी जेब काट लेता है। जैसे दोनों मिल कर एक जेबकतरा एसोसिएशन चला रहे हों।

इससे पहले उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय भी इंडिया टीम की हार को लेकर पीएम मोदी को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। एक बयान में उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी को मैच देखने नहीं जाना चाहिए था। उन्हें देखकर खिलाड़ी तनाव में आ गए थे। उनकी वजह से ही हम हार गए। अगर उन्हें खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना था तो एक दिन पहले ही मिल लेते।

भला अखिलेश यादव कैसे पीछे रह जाते। चुनाव तो उनके यहां भी हो रहा है। जाहिर है कि उन्होंने भी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश ने कहा कि मैच हुआ ही गलत जगह पर। मैच अगर अहमदाबाद की जगह लखनऊ में खेला तो भारत वर्ल्ड कप जरूर जीत जाता। यूपी के इटावा में एक सार्वजनिक बैठक में बोलते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि अगर मैच लखनऊ में होता, तो टीम इंडिया को भगवान विष्णु और देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का आशीर्वाद मिलता।

जाहिर है कि भारतीय जनता पार्टी यह सब सुन कर चुप रहने वाली नहीं थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय शर्म हैं, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में विद्वेष से इतने भरे हुए हैं कि उन्होंने देश की हार पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा, "जब पूरी जनता की आंखों में आंसू थे, तब राहुल गांधी आनंद ले रहे थे। बुद्धि-हीनता का इससे बड़ा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता। राहुल बाबा अपने ऐसे बयानों से कांग्रेस को समाप्त कर के मानेंगे।'

उधर ऑस्ट्रेलिया में शायद अपने उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स को भाग्य का सिकन्दर घोषित किया जा रहा होगा क्योंकि वे भी मैच में उपस्थित थे। सोचना यह भी पड़ेगा कि कहीं उनकी उपस्थिति तो भारत के लिये अपशकुन साबित नहीं हुई!

दरअसल राहुलबाबापुर और 'बेटिंग शॉप्स' वाले हैरान हैं कि उन्हें अब तक कुछ नहीं मालूम था कि मैच किन कारणों से जीते और हारे जाते हैं। वे भारतीय राजनीतिक नेताओं के पीछे भाग रहे हैं। उनसे मिलने का समय मांग रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि किस प्रतियोगिता में कौन सा देश विजयी होगा और क्यों। यह भी जानना चाहेंगे कि कौन पापी है और कौन पनौती! उधर से पहले टी-20 मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। चारों ओर उलटे-पुलटे भ्रम फैल रहे हैं। भारत की जीत के कारणों को खोजा जा रहा है।

उधर पुजारी, मौलवी, पादरी सब खुशियां मना रहे हैं। अब वे आसानी से अंधविश्वासों और भ्रांतियों का व्यापार कर पाएंगे। जब देश के नेता ही अंधविश्वासों को हवा देंगे, तो जिनका धंधा ही ऐसी गतिविधियों पर चलता हो, वे भला क्यों पीछे रहेंगे? अब काली बिल्ली के रास्ता काटने पर, अचानक छींक आ जाने पर, अनलक्की 13 के आंकड़े पर, और लक्की-7 पर भी बातें होंगी। यह तो सर्व-विदित ही है कि बीजिंग में पिछले ओलंपिक्स के आरंभ होने की तिथि क्या थी- 08-08-08, समय था रात्रि के 08.08 बजे।

मेरा मानना है कि भारतीय राजनीति में भाषा का स्तर बहुत निम्न स्तर तक पहुंच गया है। कोई भी राजनीतिक दल अपने आपको पाक-साफ घोषित नहीं कर रहा। कांग्रेस, भाजपा, सपा, टी.एम.सी., वामपंथी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल या फिर जे.डी.यू. जैसे तमाम दलों के नेताओं ने अपने विरोधियों को घटिया भाषा में कुछ न कुछ जुमले कहे हैं। मगर टीवी डिबेट में हर राजनीतिक दल का प्रवक्ता कहता है कि अमुक पार्टी के नेता भी तो निचले स्तर की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। याद रहे यदि तमाम पार्टियों के नेता गलत भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, तो भी भाषा गलत ही रहेगी। सुधार की आवश्यकता सब को है, पहले अपने घर में चिराग जलाओ फिर दूसरे के घरों के अंधेरे की बात करो।

सामयिक

संयुक्त राष्ट्र संघ का अब कोई औचित्य नहीं है!

[illegible]

कहने को तो संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व पटल पर एक भारी-भरकम नाम है, मगर काम के नाम में ढाक-दाएं पिस्स! जिस प्रकार से इसकी भूमिका यूक्रेन व रूस युद्ध और इजराइल व हमास युद्ध को रोकने में जीरो रही है, वह आज मात्र एक सफेद हाथी बन कर रह गया है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकारपत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई। इसका गठन इसलिए हुआ था कि जो तबाही व बर्बादी व जान-ओ-माल प्रथम विश्व युद्ध (1914-1919) और द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1944) ने झेली थी, ऐसा न हो, मगर अमेरिका की कठपुतली बनकर रह जाने के कारण इसकी नकारात्मकता ने सिद्ध कर दिया कि इस युद्ध के बाद इसकी सकारात्मता शून्य हो रही, क्योंकि उसके बाद भी भारत चीन और न जाने कितने छोटे बड़े युद्ध हो चुके हैं, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका न के बराबर रही है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के विजेता देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र को अन्तरराष्ट्रीय संघर्ष में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित किया था। वे चाहते थे कि भविष्य में फिर कभी द्वितीय विश्वयुद्ध की तरह के युद्ध न उभर आएं। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश (संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, रूस और यूनाइटेड किंगडम) द्वितीय विश्वयुद्ध में बहुत राष्ट्र थे। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में 195 राष्ट्र हैं, विश्व के लगभग सारे अन्तरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राष्ट्र शामिल हैं। इस संस्था की संरचना में महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक व सामाजिक परिषद, सचिवालय, अन्तरराष्ट्रीय न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद सम्मिलित हैं संयुक्त राष्ट्र के मुख्य उद्देश्य हैं- युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, अन्तरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया, सामाजिक और आर्थिक विकास उभारना, जीवन स्तर सुधारना और बीमारियों की मुक्ति हेतु ईलाज, सदस्य राष्ट्र को अन्तरराष्ट्रीय चिन्ताएं स्मरण कराना और अन्तरराष्ट्रीय मामलों को संभालने का मौका देना है। इन उद्देश्य को निभाने के लिए 1948 में मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई।

संयुक्त राष्ट्र के शान्तिरक्षक वहाँ भेजे जाते हैं जहाँ हिंसा कुछ देर पहले से बन्द है ताकि वह शान्ति संघ की शर्तों को लागू रखें और हिंसा को रोककर रखें। यह दल सदस्य राष्ट्र द्वारा प्रदान होते हैं और शान्तिरक्षा कार्यों में भाग लेना वैकल्पिक होता है। विश्व में केवल दो राष्ट्र हैं जिनने हर शान्तिरक्षा कार्य में भाग लिया है- कनाडा और पुर्तगाल। शान्तिरक्षा का हर कार्य सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित होता है। संयुक्त राष्ट्र के संस्थापकों को ऊँची उम्मीद थी की वह युद्ध को हमेशा के लिए रोक पाएँगे, पर शीत युद्ध (1945-1991) के समय विश्व का विरोधी भागों में विभाजित होने के कारण, शान्तिरक्षा संघ को बनाए रखना बहुत कठिन था। 1947 में जब भारत-पाक विभाजन हुआ था और पाकिस्तान ने भारतीय कश्मीर को अपने कबाइली आतंकवादियों को भेज अपने आधीन कर लिया तो उस समय भारतीय प्रधानमंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र संघ में गुहार लगाई कि उसका पूर्ण कश्मीर उसे वापिस लौटाया जाए, मगर पाकिस्तान ढिठाई से आज तक उस पर काबिज है। यही नहीं, वह उसे 'आजाद कश्मीर' कहता है और भारत के पास कश्मीर को 'मकबूजा कश्मीर' कहा जाता है, जबकि 'आजाद कश्मीर', भारत का अटूट अंग है, जो नेहरू की कूटनीतिक गलती के कारण हाथ से निकल गया। 1948 में जब पाकिस्तानी आदिवासी आतंकियों ने इस पर हमला बोला तो उसी समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू को सलाह दी थी कि तुरंत सेना को भेज अपना कश्मीर वापिस लें, मगर उन्होंने देर करदी और कश्मीर भारत के हाथ से निकल गया। इस पर संयुक्त राष्ट्र संघ को सांप सूंघ गया।

आज भी जब हम यूक्रेन व रूस युद्ध और इजराइल व हमास युद्ध को देखें तो संयुक्त राष्ट्र संघ की दशा दयनीय और दिशा हीन हो गई है कि उसके लगातार यूक्रेन रूस और इजराइल-हमास युद्ध को रोकने की इच्छा यहां को कोई नहीं सुन रहा। इससे पूर्व भी 1948 से इजराइल व फिलिस्तीन का युद्ध चल रहा है, जिसमें लाखों लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ को उसी समय से इजराइल और फिलिस्तीन को दो देशों की नीति के अंतर्गत न केवल दो देश बना देने चाहिए थे, बल्कि अपने शांति दूत भी छोड़ देने चाहिए थे। यूं तो यहूदी, जर्मन नाजी तानाशाह के अत्याचार से बचने के लिए इस स्थान पर आए थे, और फिलिस्तीन निवासियों ने उन पर दया कर, रहने का स्थान दिया यहां तक तो ठीक था, मगर जब इजराइल की लार फिलिस्तीन की गाजा की जमीन पर टपकने लगी और अमेरिका की शह पर इन्होंने ने फिलिस्तीनियों पर हमले करने शुरू कर दिए, जिस से रंजिशें और गिले, शिकवे बढ़ते गए और दुश्मनी में बदल गए। तब से आज तक लाखों निहत्थे फिलिस्तीनियों का नरसंहार करते चले आ रहे हैं। हमास का 7 अक्टूबर का इजराइली नर संहार भी इसी पुरानी रंजिश का नतीजा था, जो पूर्ण रूप से अमानवीय था। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपनी भूमिका संजीदगी से नहीं निभाई है। इजराइल और फिलिस्तीन के मौजूदा युद्ध में, संयुक्त राष्ट्र संघ को चाहिए था कि बीच में आ कर हमास से इजराइली बंधक छुड़वाते और गाजा पर बमबारी को भी रोकने का अल्टीमेटम देते। ऐसा नहीं हुआ क्योंकि इसके दांत नहीं हैं। यही कारण है कि नेतन्याहू ने गाजा पर बमबारी रोकने के लिए इनकार कर दिया। पूरा यूक्रेन तबाह हो गया, पूर्ण गाजा समाप्त हो गया, दुनिया तो देखती ही रही, संयुक्त राष्ट्र संघ भी निठल्लों की तरह बैठा रहा। या तो इसे मैदान छोड़ देना चाहिए या इसे विश्व की सबसे मजबूत सेना बनानी चाहिए जिसके पास अति आधुनिकतम हथियार हों और जो युद्ध न रोकने वाले देशों का मिजाज दुरुस्त करे।

(लेखक मीडिया आकार राष्ट्रीय विधि के पूर्व कुलाधिपति हैं)

प्रासंगिक

कामयाब हुए फौलादी इरादे

अशोक मधुप

दुनिया भर की दुआएं काम आ गईं। फौलादी इंसानी इरादों के आगे आखिर पहाड़ हार गई। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को आखिरकार 17 में दिन बाहर निकाल लिया गया। उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह दोनों लगातार सुरंग के पास डटे रहे। पीएमओ के प्रधान सचिव पीके मिश्र भी मौके पर मौजूद रहे। सबसे पहले पांच श्रमिकों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे थे। उन्होंने एक श्रमिक से खुद बात की। ये ऑपरेशन प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से कामयाब हुआ। सरकार की 17 एजेंसी के अलावा विदेशी विशेषज्ञ भी इसमें लगे रहे। इस अभियान में सभी सुरक्षा एजेंसी की एकजुटता भी सामने आई।

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग घटना के बाद से मीडिया में आ रहा है कि हिमालय में सुरंग नहीं बननी चाहिए। इससे पहाड़ दरक रहे हैं। बड़े हादसे हो सकते हैं। जबकि विकास कार्य करते इस तरह का हादसा होता है। ऐसी बात होती हैं। ये भारत में नहीं पूरी दुनिया में होता है। हादसे होते हैं। होते रहेंगे किन्तु इससे विकास का पहिया तो नहीं रोका जा सकता। सड़कें बनाना तो नहीं रुक सकता। ये सड़क चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के साथ देश की सीमा से जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। बार्डर तक सेना और उसके भारी उपकरणों की सरल आवाजाही के लिए बनाई जा रही है। ये तो देश की बड़ी जरूरत है।

पहाड़ों पर जब भी विकास होता है तभी कुछ अपने को विशेषज्ञ मानने वाले और पर्यावरणविद शोर मचाने लगते हैं। इनका यही कहना रहता है कि इससे पहाड़ दरकेंगे। यहां का पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा। टिहरी डैम बनते भी ऐसा ही हुआ था। उसके विरोध में लंबा आंदोलन चला था। इस परियोजना के विरोध में तो पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा ने तो 1995 में 45 दिन तक उपवास किया। इन सबके बावजूद टिहरी डैम बन गया। केदारनाथ आपदा के समय पहाड़ों से आए भारी जल को इसी डैम में लिया गया। इसी के कारण प्लेन में होने वाली भारी आपदा टल गई। अगर पानी टिहरी डैम में न लिया जाता तो नीचे प्लेन में भारी तबाही का सामना करना पड़ता।

पहाड़ों में विकास कार्य के दौरान ही हादसे नहीं होते। हादसे सभी जगह होते हैं। कहीं बनते पुल गिर जाते हैं तो कहीं कार्य में लगी विशाल क्रेन श्रमिकों पर आ गिरती है। अभी 23 अगस्त को मिजोरम के सैरांग इलाके के पास एक निर्माणाधीन रेलवे पुल गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई। 18 मई 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में वाराणसी कैंट से लहरतारा के बीच बन रहे पुल के गिरने से18 श्रमिक मरे। 31 मार्च 2016 को कोलकाता का विवेकानन्द फ्लाईओवर गिरने से कारिंग से गुजर रहे 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

हादसे होते हैं। होते रहेंगे। इनकी वजह से विकास कार्य नहीं रोके जा सकते। हादसे होने का कारण श्रमिकों और यात्रियों की सुरक्षा में बरती गई लापरवाही होता है। इसमें भी ऐसा ही हुआ। सुरक्षा मानकों के परीक्षण के लिए कोई एजेंसी सही से जांच और कार्य नहीं करती। इन्हीं के कारण हादसे जन्म लेते हैं। इस हादसे में भी ऐसा ही हुआ। बताया जाता है कि इस सुरंग के बराबर में एक और सुरंग बननी थी। दोनों सुरंगों को बीच- बीच में आपस में जोड़ा जाना था। सुरंग निर्माता कंपनी और निर्माण के मानकों की जांच में लगी एजेंसियों के अधिकारियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाई हो।

एक बात और इस बचाव में रैट-होल खनिकों का भी बड़ा योगदान रहा। जबकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीएमए) ने रैट-होल खनन पर रोक लगाई हुई है। अच्छा यह है कि रोक के बावजूद देश की पुरानी परंपरागत ये तकनीक अभी जिंदा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के रोक के बावजूद इस तकनीक को जिंदा रखने के प्रयास होने चाहिए। इस हादसे में फंसे श्रमिकों के बचाव से भारत की साख दुनिया में बढ़ी है। पूरी दुनिया के चैनल और मीडिया इस बचाव कार्य को कवर कर रहे थे। इन सबने इस बचाव में भारत की बचाव एजेंसियों की एकजुटता देखी और प्रशंसा की।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

दिशाबोध

जो व्यक्ति कर्म से भागता है उसकी किस्मत कभी उसका साथ नहीं देती....

आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु

एक प्रतापी गुरु थे जो अपने सभी शिष्यों से बहुत प्रेम करते थे। अपने शिष्यों के हर गुणों और कमियों के बारे में पता कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते थे। उनका एक ही मात्र लक्ष्य था कि उनका हर एक शिष्य जीवन के हर पड़ाव पर हिम्मत से आगे बढ़े।

उनके सभी शिष्यों में एक शिष्य था जो अत्यंत भोला था। लेकिन वह बहुत ज्यादा आलसी था। आलस के कारण ही उसे कुछ भी पाने का मन नहीं था। वो बिना कर्म के मिलने वाले फल में रूचि रखता था। उसका यह अवगुण गुरु को बहुत परेशान कर रहा था। एक दिन उन्होंने पारस पत्थर की कहानी अपने सभी शिष्यों को सुनाई। इस पत्थर के बारे में जानने के लिए सबसे अधिक जिज्ञासु वही शिष्य था। वे समझ गये कि यह आलसी है इसलिए उसे इस जादुई पत्थर की लालसा है। लेकिन ये मूर्ख यह नहीं जानता कि जो व्यक्ति कर्महीन होता है। उसकी सहायता तो स्वयं भगवान भी नहीं कर सकते। यह सोचते- सोचते गुरु ने सोचा कि यही सही वक्त है इस शिष्य को आलसी के अवगुणों से अवगत कराने का। ऐसा सोच गुरु जी ने उस शिष्य को अपनी कुटिया में बुलवाया और कहा बेटा! मैंने आज जिस पारस पत्थर की कहानी सुनाई वो पत्थर मेरे पास है और तुम मेरे प्रिय शिष्य हो इसलिए मैं वो पत्थर सूर्य उदय से लेकर सूर्यास्त तक के लिए तुम्हें देना चाहता हूं। तुम उससे जो करना चाहो कर सकते हो। तुम्हें जितना स्वर्ण चाहिये तुम इस पत्थर से दिए गये समय में बना सकते हो। यह सुनकर शिष्य की खुशी का ठिकाना न था। गुरु जी ने उसे प्रातः सूर्योदय होने पर पत्थर देने को कहा। रात भर वह इस पत्थर के बारे में सोचता रहा।

दूसरे दिन, शिष्य ने गुरु जी से पत्थर लिया और सोचने लगा कि कितना स्वर्ण मेरे जीवन के लिए काफी होगा? और इसी चिंतन में उसने आधा दिन निकाल दिया। भोजन कर वो अपने कक्ष में आया। उस वक्त भी वह उसी चिंतन में था कि कितना स्वर्ण जीवनयापन के लिए पर्याप्त होगा और वह सोचते-सोचते आदतानुसार भोजन के बाद उसकी आँख लग गई और जब खुली तब दिन ढलने को था और गुरुजी के वापस आने का समय हो चुका था। उसे फिर कुछ समझ नहीं आया। इतने में गुरु जी वापस आ गये और उन्होंने पत्थर वापस ले लिया। शिष्य ने बहुत विनती की लेकिन गुरु जी ने एक ना सुनी। तब गुरु जी ने शिष्य को समझाया पुत्र! आलस्य व्यक्ति की समझ पर लगा ताला है। आलस के कारण तुम इतने महान अवसर का लाभ भी ना उठा सके जो व्यक्ति कर्म से भागता है उसकी किस्मत कभी उसका साथ नहीं देती। तुम एक अच्छे शिष्य हो परन्तु तुममें बहुत आलस है। जिस दिन तुम इस आलस के चोले को निकाल फेकोगे उस दिन तुम्हारे पास कई पारस के पत्थर होंगे। शिष्य को गुरु की बात समझ आ गई और उसने खुद को पूरी तरह बदल दिया। उसे कभी किसी पारस की लालसा नहीं रही।

जनमानस

चीन में फैली रहस्यमय बीमारी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनिया अभी कोविड-19 महामारी से उबर भी नहीं पाई है कि फिर एक बार मेडिकल इमरजेंसी की आहट सुनाई दे रही है, क्योंकि उत्तरी चीन के बच्चों में तथाकथित निमोनिया जैसी रहस्यमय बीमारी तेजी से फैल रही है, स्थिति यहां तक है कि एक दिन में सात हजार से अधिक केस आने से स्थिति विस्फोटक होती जा रही है और अब डब्ल्यूएचओ द्वारा ने भी कमेंट कर बेहतर प्रतिक्रिया तंत्र की तलाश करने का दबाव बनाया जा रहा है तो अब पूरी दुनिया अलर्ट हो गई है, क्योंकि कोविड महामारी के भयंकर नतीजे में लाखों नागरिकों की जान जा चुकी है इसलिए अब भारत भी अलर्ट मोड में आ गया है। चूंकि कोविड के नतीजे पूरी दुनिया भुगत चुकी है इसलिए इस रहस्यमय बीमारी पर अलर्ट रहना जरूरी है। चीन में कोरोना महामारी के बाद एक नई बीमारी ने दस्तक दे दी है। इस बीमारी का बच्चों पर ज्यादा असर पड़ रहा है। इस बीमारी की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां की सरकार ने कई स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। बात अगर हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी खास निर्देशों की करें तो, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को लिखे गए एक पत्र में, उन्हें जन स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी गई है। मानव संसाधन, अस्पताल में फ्लू के लिए दवाएं और टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक औषधियों, व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरणों, टेस्टिंग किट एवं रिएजेंट, ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण की रोकथाम के पर्याप्त उपाय इसमें शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल के सप्ताहों में उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि का संकेत देने वाली हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतने के लिए, श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए तैयारियों के क्रम में किए जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया है। मौजूदा इन्फ्लुएंजा और सर्दी के मौसम को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप श्वसन संबंधी बीमारी में वृद्धि हुई है। भारत सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही है। भारत सरकार ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

किशन भावनानी

मतगणना के लिए बिछिया एवं निवास में 18-18 तथा मंडला में 17 टेबल

प्रवेश पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को नही मिलेगा प्रवेश, जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकारों को दी जानकारी

मंडला। विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की मतगणना 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला में होगी। इस संबंध में पत्रकारों की बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा मतगणना की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हों ने बताया कि मतगणना स्थल पर तीन स्तर पर सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। प्रवेश पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिलेगा। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ईव्हीएम से मतगणना के लिए बिछिया एवं निवास के लिए 18-18 टेबल तथा मंडला विधानसभा के लिए 17 टेबल लगाई गई हैं। इसी प्रकार पोस्टल बैलेट की गणना के लिए बिछिया एवं निवास में 3-3 तथा मंडला में 4 टेबल लगाई गई हैं। उन्होंलने बताया कि अभ्यथी, अभिकर्ता एवं पत्रकारों को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में गेट क्रं. 1 से प्रवेश दिया जाएगा। निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी, कमर्चारियों को गेट क्रं. 2 से प्रवेश दिया जाएगा। पार्किंग की व्यवस्था पॉलीटेक्निक भवन के पीछे तथा मोंटफोर्ट स्कूल में की गई है। बैठक में कलेक्टर ने स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा, सीसीटीव्ही कैमरा, डाक मतपत्रों की गिनती, परिणाम की घोषणा आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

मीडियाकर्मियों को गेट नंबर 1 से मिलेगा प्रवेशः कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है जिसमें निर्वाचन आयोग से जारी प्रवेश पत्र के आधार पर मीडियाकर्मियों को गेट क्रं. 1 से प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना स्थल पर मोबाईल, कम्प्यूटर, लेपटॉप, केलकुलेटर, स्मार्ट वॉच आदि अन्य कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस प्रतिबंधित है। पत्रकारगण बारी-बारी से 4 या 5 के समूह में मतगणना कक्ष का निर्धारित स्थल से अवलोकन कर सकेंगे। परिणाम की चक्रवार जानकारी मीडिया कक्ष में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने मीडियाकमी से कव्हरेज के दौरान गोपनीयता बनाए रखने का आव्हान किया। प्रशिक्षण में कुशल प्रशिक्षक डॉ. टीपी मिश्रा एवं डॉ. श्रीकांत श्रीवास्तव द्वारा पावरप्वाईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से मीडिया के संबंध में की गई तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

छावनी बनेंगे गणना केन्द्र.....

मतगणना के दौरान निगरानी में होगी प्रवेश और निकासी

पुलिस प्रशासन की निगरानी में चलेगी पूरी प्रक्रिया

श्योपुर ब्यूरो। विधान सभा चुनाव 2023 की मतगणना से सम्बद्ध श्योपुर स्थित शासकीय पॉलिटेक्रिक महाविद्यालय श्योपुर में 03 दिसम्बर को होने वाली मतगणना प्रक्रिया से जुड़े विशेष प्रबंधों के समानान्तर कानून-व्यवस्था को लेकर किए जाने वाले इन्तजामों की बात की जाये तो यह कहा जा सकता है कि इस दिशा में हरसंभव एहतियात बरतने को लेकर कटिबद्ध पुलिस प्रशासन द्वारा भी कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों को देखते हुए इतना ही कहा जा सकता है कि यदि पिछले चुनावों की तरह सुरक्षा तंत्र के जिम्मेदार अधिकारियों-कमर्चारियों ने अपने अधिकारों की सीमाओं को लांघने से बचने तथा अभद्रताओं के विरूद्ध संयम बरतने का प्रयास कर लिया तो निस्संदेह पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी पूरी तरह प्रशंसनीय रहेगी जो प्रक्रिया को निर्विघ्न सम्पन्न कराने में सर्वाधिक अहम भूमिका निभाने वाली भी समझी जाएगी। गणना स्थल के रूप में श्योपुर में चयनित केन्द्रं पर की गई सुरक्षा सम्बन्धी तैयारियों के सम्बंध में प्राप्त जानकारियों के अनुसार श्योपुर में मतगणना स्थल बनाए गए महाविद्यालय परिसर के सिंह-द्वार सहित मुख्य प्रवेश द्वार ही नहीं अंदर परिसर में स्थित स्ट्रांगरूम से मतगणना कक्ष के गलियारों तक में कड़ी निगरानी का प्रबंध किया गया है। गणना स्थल के मुख्य द्वार से प्रवेशपत्रों व प्राधिकार पत्रों के परीक्षण के बाद ही किसी का अंदर दाखिल हो पाना संभव होगा, वहीं परिसर में बनाए गए मतगणना कक्ष और गलियारों में बाहरी व अनाधिकृत लोगों की मौजूदगी पर सख्त निगरानी रखने वाले पुलिस प्रशासन के अधिकारी व जवान इस बात का भी खासा ध्यान रखेंगे कि कोई असामाजिक तत्व प्रक्रिया के दौरान तयशुदा व्यवस्थाओं को बाधित करने का प्रयास न कर पाए। चूंकि चुनाव विधान सभा से सम्बद्ध है,लिहाजा जनभावनाओं पर हावी रहने वाला उत्साह पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त तौर पर सतर्क बनाए हुए है।

द्वार तक ही जा सकेगी प्रतिबंधित सामग्रीः निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नीतिगत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के प्रयास दोनों मतगणना स्थलों पर कुछ इस प्रभावी तरीके से तय किए गए हैं कि अनाधिकृत व्यक्ति ही नहीं प्रतिबंधित सामग्री भी केवल द्वार तक ही पहुंच सकेगी और वहीं जप्त होकर रह जाएगी। दलीय व निदलीय प्रत्याशियों, राजनैतिक कार्यकर्ताओं, गणना अभिकर्ताओं और मतगणना स्थल पर किसी न किसी रूप में प्रवेश पाने वाले आम नागरिकों से व्यवस्थाओं में अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हुए प्रावधानों के सम्मान व अनुपालन का ध्यान रखने की अपील करने वाले जिला व पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना स्थल पर बीड़ी-सिगरेट, मोबाइल व अस्त्र-शस्त्र आदि ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबन्ध रहेगा तथा इस प्रबंध को प्रक्रिया के हित में सुनिश्चित करने के लिए सभी को प्रवेश-द्वार पर अपनी जामा-तलाशी भी देनी होगी। प्रतिबंधित सामग्री केन्द्र के द्वार पर तैनात पुलिस के जवानों द्वारा जप्ती में ले ली जाएगी। मतगणना स्थल पर तैनात अमले सहित गणना अभिकर्ताओं और सम्बन्धितों को नियत समय से पहले जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी प्रवेश-पत्रों के साथ पहुंचना होगा तथा प्रवेश पत्र के बिना किसी को भी अंदर दाखिल नहीं होने दिया जाएगा।

सांसदजी तक सीधे बात पहुंचाने कार्यालय की दरकार

एक अदद कार्यालय तक नहीं जिले मे जहां अपनी समस्या बता सके जनता

श्योपुर। अपने जनप्रतिनिधी से सीधे संवाद कर उन्हे अपनी पीड़ा अथवा क्षेत्र के विकास के लिये आवश्यक जानकारी प्रदान की जा सके। जिसके लिये जिले में ऐसा कोई कार्यालय अथवा माध्यम नहीं जिससे बिना किसी सहारे उन तक पहुचा जा सके । श्योपुर जिले की जनता का दुर्भाग्य नहीं तो और क्या कहेंगे, इसे कि भारत सरकार में कद्दावर मंत्री और संसद में दुसरी बार जिले की नुमाईन्दगी करने वाले सांसद महोदय का जिले में अब तक 01 कार्यालय तक नहीं,जहां क्षेत्र की जनता अपनी समस्या बता सके अथवा सांसदजी के श्योपुर आगमन पर उनसे मिल सके । पांच वर्ष में जब जब चुनावी बेला आती हें तो सांसद महोदय घर घर दस्तक देते दिखाई पड़ते हैं,लेकिन बाकी पांच वर्ष जनता उनसे मिलने तक को दलाल नेताओं और किन्ही मध्यस्थों को तलाशती रहती लेकिन सांसदजी तक पहुच नहीं पाती । यहां बतादे कि वतर्मान में जिले के सांसद के तौर पर लोकसभा में प्रतिनिधत्व करने वाले भारत सरकार में केन्द्रीय कृषि मंत्री के रूप में काबिज नरेन्द्र सिंह तोमर पूर्व में वर्ष 2009 से 2014 के बीच भी जिले का नेतृत्व कर चुके है, तत्पश्चात 2019 में भी जिले की जनता ने उन्हे अपना प्रतिनिधी चुनकर लोकसभा तक पहुचाया। लेकिन सांसदजी द्वारा जिले में अब तक ऐसा 01 ऑफिस तक नहीं खोला गया ताकि आवश्यकता पड ? पर जिले की जनता उस कार्यालय में सांसद जी से अपनी समस्या या किसी प्रकार का सुझाव उन्हे दे सके या सांसदजी के जिले के प्रवास पर जनता जर्नादन बिना राजनैतिक चौकडी के उनसे स्वतंत्र रूप से मिलकर उन्हे वास्तविकता से अवगत करा सके । अब कोई करे भी तो क्या यह बिडम्बना ही हैं कि 25 वर्ष पूर्व में जब मुरैना जिला था तब भी श्योपुर वासीयों के अधिकारों का शोषण किया जाता था वहीं अब जिला बन गया तब भी श्योपुर-मुरैना लोकसभा सीट से एक ही सांसद होने का खामियाजा जिले की जनता भुगत रही है । हालाकि यह कोई नई बात नही,क्योंकि आजादी के बाद से अब तक जितने भी सांसद रहे किसी के द्वारा श्योपुर में कार्यालय नहीं खोला गया है । जिले की जनता को सांसद है इस बात का अहसास ही तब होता है,जब देश में लोकसभा चुनाव होते है। अथवा गाहे बगाहे कभी माननीय का दौरा जिले में हो जाये। हालाकि देश भर के ज्यादातर सांसदों द्वारा जनसेवा के लिये जनता दरबार लगाकर उनकी समस्यायें सुनी जाती है,और उनका निराकरण भी किया जाता रहा है । परन्तु पहले ही पिछड़े क्षेत्र में शुमार श्योपुर मैं अब तक कोई जनप्रतिनिधी ऐसा नजर नहीं आया जो जनता दरबार लगाकर जनसमस्याओं को सुनकर उनका निराकरण भी करवा सके ।

चारों ओर फैला गंदगी का अंबार, लापरवाही का खामियाजा भुगत रही जनता

सफाई व्यवस्था चरमराई,जगह जगह लगे कचरे के ढेर

विजयपुर। विजयपुर नगर परिषद मे पदस्थ 60 से ज्यादा सफाई कमीयों के बाद भी विजयपुर क्षेत्र मे सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप्प पढी है,अधिकारीयो की अनदेखी और कमर्चारियों की लापरवाही के चलते यह पूरी तरह व्यवस्था ठप पड गई जगह जगह कचरो के ढेर पडे हुए है। कई जगह पर तो 05 दिन से झाडू तक नही लगी है,जिनके कंधो पर सफाई की जिममेदारी है वह विल्कुल लापरवाह बने हुए हैं।

शहर के प्रमुख क्षेत्रो मे साफ सफाई न होने से जगह जगह कचरे के ढेर लगे होने से लोगो का सास लेना दूभर हो रहा है ,ही राहगीर और वाहन चालको को भी परेशानी का सामना करना पढ रहा है विजयपुर क्षेत्र के वार्ड नम्बर 09 व 10 मे सहित कई बाडी मे सफाई व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर गई है मण्डी क्षेत्र मे सफाई न होने से कई दुकानदार को

झाडू लगाना पढ रहा है,ऐसे मे कचरो के ढेरो से आने बाली बदबू लोगो के लिये परेशानी का सबब बन रही है वही आस पास आवारा पशुओ का जमघट होने से हादसे की आशंका बनी हुई है। वही इस मामले मे रहवासीयो द्वारा नगर परिषद से शिकायत भी की गई है लेकिन अनदेखी के चलते अब तक तो हालातो मे कोई सुधार देखने को नही मिला है,ऐसे मे बीमारीयो का खतरा बड गया है। देखा जाए तो नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। नगर में एक भी वार्ड ऐसा नहीं है जहां पर गंदगी न पसरी हो। वही मेन रोड पर कचरे का ढेर इस कदर लगा हुआ है की, राहगीरों, स्कूली बच्चों का पैदल निकलना यहां से दूभर हो रहा है। मेन रोड पर देखने को मिला जहां बड़ी मात्रा में कचरा फैला हुआ है। परंतु कुंभकरणी नींद सोई नगर परिषद और सीएमओ

सुखियों में रहने वाली जिले की विजयपुर नगर परिषद इन दिनों जो गंदगी और बदबू यहां फैल रही है उससे बड़ी बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। हालत यह है कि नगर पंचायत कचरा कूड़ा उठाने में देरी कर रहा है जिससे नगर के चारों और कूड़े के अंबार लग गए।

आपका कहना

नगर परिषद की अनदेखी के चलते सफाई व्यवस्था ठप पडी है सफाई न होने से जगह जगह कचरे का ढेर लगे हुए लोगो को बदबू के कारण निकलना दूभर हो रहा है नगर परिषद को इस ओर ध्यान देना चाहिए

आसाराम सोनी
कॉग्रेस नेता

अभी नगर परिषद मे सीएमओ नही है कुछ सफाई कमी है जो शादी की बजह से छुट्टी चले गए है इस लिए दिक्कत आ रही है।

कमलेश कुशवाह

विजयपुर में उर्वरक के दो गोदाम सील

श्योपुर। कलेक्टर संजय कुमार के निर्देश पर निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर रासायनिक उर्वरक बेचने की शिकायत पर कृषि विभाग द्वारा विजयपुर में उर्वरक के दो गोदाम सील करने की कार्यवाही की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विष्णु राठौर, बीटीएम भूपेन्द्र धाकड, आरएईओ एसके शाक्य की टीम द्वारा अधिक दर पर उर्वरक बेचने की शिकायत पर मैसर्स रामभजन चिंरोजी लाल विजयपुर तथा मैसर्स रामचरण लाल रमेश चंद के उर्वरक गोदामो को सील करने की कार्यवाही की गई है।

सावधानी एवं पारदर्शिता के सभी मानकों के पालन के साथ ही मतगणना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, माइक्रो आब्जर्वर, गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों को मतगणना प्रक्रिया का दिया गया प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनीत नंदनवार की उपस्थिति में बुधवार को जिला कार्यालय के मुख्य सभाकक्ष में मतगणना प्रक्रिया के संबंध में का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस मौके पर कलेक्टर श्री नंदनवार ने कहा कि 3 दिसंबर को मतगणना मुख्यालय के आंवराभाटा स्थित डाइट परिसर मतगणना केंद्र में की जाएगी। मतगणना केन्द्र में मतगणना अधिकारियों-कमर्चारियों को निर्धारित समय पर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मतगणना प्रक्रिया का कार्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण है और सावधानी एवं पारदशिर्ता के सभी मानको के पालन के साथ ही मतगणना करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं मतगणना दल मतगणना संबंधी प्रत्येक प्रक्रिया की पूरी जानकारी लेने के साथ ही अपनी जिज्ञासाओं, शंकाओं का समाधान अवश्य कर लेवें ताकि मतगणना कार्य को नियमानुसार बेहतर ढंग से संपन्न कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि सबसे पहले डाक मतपत्र एवं ईटीपीबीएस की गणना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राउंड के बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी।

इसके साथ ही प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ईटीपीबीएस, डाक मत पत्र, ईव्हीएम एवं वीवीपैट की मतगणना के सबंध में आवश्यक नियमों एवं निर्देशों के बारे में बारीकी से जानकारी देते हुए मतगणना की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आवश्यक नियमों एवं निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा मास्टरट्रेनर्स ने निवार्चन संचालन के नियम व्ही व्ही पैट पर्चियों के अनिवार्य सत्यापन, मतगणना केन्द्रों की आधारभूत संरचना, सुरक्षा व्यवस्था, गणना स्थल में प्रवेश व्यवस्था, ईटीपीबीएस, डाक मत पत्रों एवं ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना, डाक मतपत्रों की गणना, ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना, मतगणना पूर्ण होने के पश्चात ईव्हीएम और निर्वाचन सामग्री को सील करना, परिणामों की घोषणा, मतगणना कार्य के साथ ही टेबुलेशन, ईव्हीएम एवं अन्य प्रपत्रों की सीलिंग के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि डाकमत पत्रों के माध्यम से प्राप्त वोट की गणना पहले की जाएगी। और इसमें सिलिंग कार्य महत्वपूर्ण है तथा रिटर्निंग ऑफिसर इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करेंगे। इस दौरान सभी अधिकारियों ने मतगणना कार्य के लिए मॉक काउंटिंग करके भी देखा। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य प्रेक्षक श्री अनुराग पटेल, अपर कलेक्टर श्री संजय कन्नौजे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुरेन्द्र ठाकुर, रिटर्निंग ऑफिसर श्री शिवनाथ बघेल एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर और निर्वाचन दायित्व से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बस्तर। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे 19 अधिकारी कमर्चारी को पेंशन, उपदान प्राधिकार पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि परिवार पेंशन के सभी प्रकरणों का विभाग के अधिकारियों को संवेदनशील होकर प्राथमिकता से सभी सवत्वों का निराकरण समय पर करने की आवश्यकता है।

बस्तर। नोडल अधिकारी द्वारा धान खरीदी कार्य का सतत निरीक्षण किया जा रहा है।धान उपार्जन केंद्रों में सुचारू व्यवस्था हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. द्वारा नोडल अधिकारी बनाया गया है।

बस्तर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विजय दयाराम के. ने सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों की बैठक लेकर मतगणना स्थल की कानून,सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की । उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल में मोबाईल, स्मार्ट वॉच और इलेक्ट्रानिक आइटम पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

मतगणना के दौरान तथा परिणाम की घोषणा के पश्चात शांति एवं सुरक्षा हेतु लगाई गई है मजिस्ट्रीयल ड्यूटी

नारायणपुर । विधानसभा चुनाव 2023 के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक- 84 नारायणपुर के मतदान पश्चात 3 दिसंबर 2023 को शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर में मतगणना किया जाएगा। मतगणना के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर नियंत्रण रखा जाना आवश्यक है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत द्वारा शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सम्पूर्ण प्रांगण, कार्य स्थल में मतगणना के दौरान तथा परिणाम की घोषणा के पश्चात शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए नायब तहसीलदार कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री हरि प्रसाद भोय, मोबाईल नंबर 93402-63360 की मजिस्ट्रीयल ड्यूटी लगाई गई है। कार्यपालिक दण्डाधिकारी वतर्मान में लागू आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

धान के अवैध परिवहन रोकने जिले के 12 चेकपोस्टों में वाहनों की जा रही हैं जांच

कलेक्टर के निर्देश पर माल वाहनों की जांच, निगरानी और नियंत्रण के लिए एसडीएम ने लगाई चेकपोस्ट पर कमर्चारियों की ड्यूटी

कबीरधाम । कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे के निर्देश पर खरीफ उपार्जन वर्ष 2023-24 के लिए कबीरधाम जिले में सुचारू रूप धान खरीदी एवं जिले के सभी 12 अंतर्राज्जीय सीमाओं में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी धान के अवैध परिवहन रोकने के लिए मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार संबंधित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा जिले के इन सभी चेक पोस्ट पर 24 घंटे माल वाहक वाहनों के जांच एवं निगरानी के लिए कमर्चारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कबीरधाम जिले के अंतर्गत चेकपोस्ट बैरियल खारा, पंडरिया, भेलवाटोला, बरेण्डा, सिवनीखुर्द-1 खुंटाटोला, सिवनीखुर्द-2 कोसाटोला, तरमा, बरबसपुर, झलमला, चिल्फी, चमारी-बितली बॉडर और तरेगांव जंगल सहित पोलमी, कुकदूर, अंतरजिला मुगेंली मार्गो पर भी सतत निगरानी रखी जा रही है। निगरानी के लिए दल प्रभारी पटवारी को बनाया गया है। इसके निगरानी के लिए ग्राम सचिव, रोजगार सहायक और कोटवारों की ड्यूटी लगाई गई है।

उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले में 90 सेवा सहकारी समिति के अंतर्गत 108 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से सुचारू रूप से धान खरीदी संचालित की जा रही है। इन 108 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 537853.00 मी. टन अनुमानित लक्ष्य है। 29 नवंबर 2023 तक 74080.92 मी. टन धान खरीदी की जा चुकी है एवं किसानों के खाते में 162 करोड़ 52 लाख 40 हजार 155.60 रूपए हस्तांतरित किया जा चुका है। इसके साथ ही 23440.00 क्विंटल धान मिलर को जारी किया गया है। कबीरधाम जिला राज्य के अंतिम सीमावर्ती क्षेत्र होने से दीगर राज्य एवं अन्य जिलों से अवैध रूप से धान का परिवहन कर उपार्जन केन्द्रों में धान खपाए जाने की आशंका को विशेष ध्यान रखते हुए जिले के 12 सीमावती क्षेत्रों पर चेकपोस्ट के माध्यम से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

2 साल हुए नहीं की सड़क हुआ जर्जर, सड़क बनने के बाद ठेकेदार ने दी थी 5 साल की गारंटी

बलरामपुर। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पंचायत लोधी के नागपानी से लेकर हरिगवां तक 6.30 किलोमीटर का सड़क ठेकेदार विभाग के द्वारा बनाया गया जिसकी लागत 2 करोड़ 37 लाख 88 हजार रुपए खर्च हुआ है.... लेकिन मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाए गए सड़क महज 2 साल ही नहीं हुए की सड़क पूरी तरीके से उखड़ने लगा है नागपानी के सभी ग्रामवासी परेशान है....

ग्रामीणों ने क्या कुछ कहाः नागपानी के ग्रामीणों ने बताया कि सड़क 2 साल बने हुआ नहीं है कि सड़क पूरी तरीके से उखड़ने लगा है ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि ठेकेदार ,, विभाग की लापरवाही से घटिया सामग्री यूज करके बनाया गया वही सभी ग्रामीणों में आक्रोश है। जनपद पंचायत सदस्य ने क्या कुछ कहाः जब इस सड़क के बारे में जनपद पंचायत सदस्य देवनारायण मराबी जी से बात की गई थी उन्होंने बताया कि हां यह सड़क ठेकेदार वह विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से घटिया सामग्री डालकर बनाया गया है इसलिए सड़क बहुत जल्दी खराब हो चुका है और हम इसके बारे में कलेक्टर व राज्य शासन से शिकायत कर इसकी जांच कराएंगे। संबंधितविभाग की उदासीन रवैयाः जब इसके बारे में अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया तो अधिकारी ना ही फोन उठा रहे हैं ना कार्यालय में रहते हैं

महेंद्र ग्रामीण नागपानी, ग्रामीण लोधी, लोधी सरपंच, देवनारायण मराबी जनपद पंचायत सदस्य।